AERO INDIA 2019

Since its inception in 1996, Aero India - the premier airshow in Asia - has had eleven successful editions and has established itself as a marquee event in the international aerospace calendar. Aligned with the Make in India initiative envisioned by Shri Narendra Modi, Prime Minister of India, this show in its recent editions has attracted foreign and private investments in the sector. The show provides a unique opportunity for the aviation industry to showcase their capabilities, products and services with special focus on latest technologies. The show has also enthralled the general audience with captivating aerobatic performances and provided a glimpse into the rapid advancement of technologies in aviation, defence and aerospace.

While the event is emblematic of New India and its achievements have been the result of national endeavours, the contribution of women to the aviation and defence sectors deserves a special recognition. It is time to celebrate these role models of our time. Careers in military services, air traffic control, hospitality in the aviation industry and other allied activities are gaining popularity among women in the country. As of 2018, there are 1,561 women officers in the Army, 1,594 in the IAF and 644 in the Navy. India is proud to have the highest proportion of women commercial pilots at 12% of the total number of pilots against the corresponding global figure which is less than 5%. Women have made groundbreaking contributions in wide ranging fields from research in defence and aviation to undertaking daring flights. These courageous women are not only securing our skies and providing an invaluable national service, they have also broken glass ceilings and soared high. By setting precedence for young women across regions, countries and generations, these inspiring women have meaningfully contributed to not just the sector but to womankind as a whole. As a mark of recognition of the contribution made by women in the Aviation and Defence Sectors, Day 4 of the 12th Aero India show (23rd Feb 2019) is being dedicated to "Women in Aviation".

The Department of Defence Production (DDP)- the driving force behind Aero India was set up in November 1962 with the objective of developing a comprehensive production infrastructure to produce the weapons, systems, platforms and equipment required for defence. Over the years, the Department has established wide ranging production facilities for various defence equipment through the Ordnance Factories and Defence Public Sector Undertakings. The products manufactured include arms and ammunition, tanks, armoured vehicles, heavy vehicles, fighter aircraft and helicopters, warships, submarines, missiles, ammunition, electronic equipment, earth moving equipment, special alloys and special purpose steels.

DDP has also worked to create and ensure a unified brand that positions the event as the premier Aerospace and Aviation exhibition in the region and this brand is firmly established by the conceptualization of the tagline and logo of the event.

The driving ethos of Aero India 2019 is perfectly encapsulated in its tagline "The Runway to a Billion Opportunities". India is on the precipice of becoming one of the largest economies in the world and presents infinite investment opportunities under Make in India. With Passenger Traffic in India likely to increase to 350 million in 2020, India is expected to become the 3rd largest aviation market in the world. In the defence sector, a requirement of $130 billion is projected for Military Modernization in the next 3 to 5 years. The tagline aptly represents the opportunities presented by these forecasts and outlines India's emergence as the hub for the global aerospace and aviation industries.

The logo for Aero India 2019 is inspired by the Tejas Light Combat Aircraft (LCA). The Tejas LCA together with its variants, is the smallest and lightest Multi-Role Supersonic Fighter Aircraft of its class. This single engine, Compound-Delta-Wing, Tail-less Aircraft is designed and developed to meet diverse needs of the Indian Air Force (IAF) and Indian Navy (IN).The Tejas LCA programme has achieved the rare distinction of completing over 4000 Successful Test Flights. The tri-colored silhouette of the Tejas LCA with the Ashok Chakra in the centre is the core motif of this logo, reminiscent of the spirit of New India. The defined outlines of the 'A' in Aero is symbolic of a fighter jet while conveying that Aero India is a premier global aerospace exhibition.

Women in the aviation sector have pushed frontiers and paved the way for other women and girls to become future leaders. Dedicated to those working towards increasing the role and leadership of women in the aerospace community, this set of two stamps is a tribute to these brave women making incredible contributions to our skies and security.

Department of Posts is proud to issue this set of two Commemorative Postage Stamps on Aero India 2019.

Credits:

Text	: Based on information received from the proponent
Stamps/ FDC/ Brochure/ Cancellation Cachet	: Shri Kamleshwar Singh

एयरो इंडिया 2019

एयरो इंडिया वर्ष 1996 में आरंभ हुआ। यह एशिया का प्रमुख एयर–शो है, जिसका अब तक 11 बार सफल आयोजन किया जा चुका है। इस एयर–शो ने अंतरराष्ट्रीय एयरोस्पेस आयोजनों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया विजन के साथ इस शो ने हाल में विदेशी एवं निजी निवेशों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित किया है। यह शो नवीनतम प्रौद्योगिकी पर विशेष फोकस रखते हुए विमानन उद्योग को अपनी क्षमताओं, उत्पादों और सेवाओं को दर्शाने का अनूठा अवसर प्रदान करता है। यह शो मंत्रमुग्ध करने वाले हवाई करतबों से सामान्य दर्शकों को आनंदित करता रहा है। साथ ही, इस शो में विमानन, रक्षा एवं एयरोस्पेस के क्षेत्र में तेजी से होते प्रौद्योगिकी विकास की झलक भी दिखाई देती है।

यह आयोजन नए भारत का प्रतीक है तथा इसकी उपलब्धियां राष्ट्रीय प्रयासों का परिणाम हैं। विमानन और रक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान विशेष सम्मान का हकदार है और यह उचित समय है कि विमानन के आसमान में उपलब्धियों का परचम लहराने वाली इन आदर्श महिलाओं की कामयाबी को सलाम किया जाए। सैन्य सेवाओं, हवाई यातायात नियंत्रण, विमानन उद्योग में आतिथ्य और अन्य संबंधित क्षेत्रों में कैरियर बनाना हमारे देश की महिलाओं में अत्यंत लोकप्रिय हो रहा है। वर्ष 2018 तक के आंकड़ों के अनुसार सेना में 1,561, भारतीय वायु सेना में 1,594 और नौसेना में 644 महिला अधिकारी हैं। जहां विश्व में महिला कॉमर्शियल पायलटों की संख्या का अनुपात 5% से भी कम है, वहीं भारत में यह संख्या 12% है। यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। महिलाओं ने रक्षा एवं विमानन में अनुसंधान से लेकर साहसिक उड़ान भरने तक के क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान दिया है। ये साहसी महिलाएं न केवल हमारी हवाई सुरक्षा सुनिश्चित कर देश की अमूल्य सेवा कर रही हैं बल्कि इन्होंने पारंपरिक सोच की सीमाओं से पार जाकर कामयाबी की नई बुलंदियों को भी छुआ है। सभी क्षेत्रों, देशों और पीढ़ियों की युवा महिलाओं के लिए मिसाल पेश करते हुए, इन प्रेरक महिलाओं ने न केवल इस क्षेत्र में बल्कि समस्त महिला जगत के लिए बेमिसाल योगदान किया है। विमानन एवं रक्षा क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा किए गए योगदान के सम्मान के तौर पर 12वें एयरो इंडिया शो का चौथा दिन (23 फरवरी, 2019) ''विमानन के क्षेत्र में महिलाएं'' को समर्पित किया जा रहा है।

एयरो इंडिया का आयोजन रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) द्वारा किया जाता है। रक्षा उत्पादन विभाग की स्थापना नवंबर, 1962 में की गई थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य हथियारों, प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों और उपस्करों का उत्पादन करने के लिए एक व्यापक उत्पादन तंत्र उपलब्ध कराना है। साल–दर–साल इस विभाग ने आयुध निर्माणियों और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों के जरिए विभिन्न रक्षा उपस्करों के लिए अनेक प्रकार की उत्पादन सुविधाएं स्थापित की हैं। यहां तैयार उत्पादों में हथियार एवं गोलाबारूद, टैंक, बख्तरबंद वाहन, भारी वाहन, लड़ाकू विमान एवं हेलीकॉप्टर, युद्धपोत, पनडुब्बी, मिसाइल, गोलाबारूद, इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर, अर्थमूविंग उपस्कर, विशेष एलॉय और विशेष प्रयोजन वाला इस्पात शामिल हैं।

रक्षा उत्पादन विभाग ने एक एकीकृत ब्रांड का सृजन सुनिश्चित करने के लिए भी प्रयास किया है, जो इस आयोजन को इस क्षेत्र में प्रमुख एयरोस्पेस एवं विमानन प्रदर्शनी के रूप में स्थापित करता है। इस आयोजन की टैगलाइन तथा इसका लोगो, इस ब्रांड की कल्पना को पूरी प्रमुखता से मूर्त रूप प्रदान करता है।

एयरो इंडिया 2019 की मूल भावना इसकी टैगलाइन ''अपार संभावनाओं की असीमित उड़ान" में पूरी प्रबलता से अभिव्यक्त होती है। भारत, विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने को तैयार है और मेक इन इंडिया के तहत भारत में निवेश की अपार संभवनाएं हैं। वर्ष 2020 में, भारत में विमान यात्रियों की संख्या 350 मिलियन तक पहुंच जाएगी और इस प्रकार, भारत विमानन के क्षेत्र का तीसरा विशालतम बाजार बन जाएगा। आगामी 3 से 5 वर्षों में, रक्षा क्षेत्र में सैन्य आधुनिकीकरण के लिए 130 बिलियन डॉलर की आवश्यकता का अनुमान है। अतः यह टैगलाइन इन सभी पूर्वानुमानों द्वारा प्रस्तुत अवसरों को एवं वैश्विक एयरोस्पेस और विमानन उद्योगों के लिए हब के रूप में भारत के उभरने की रूपरेखा को समुचित रूप से प्रस्तुत करती है।

एयरो इंडिया 2019 का लोगो, हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस से अभिप्रेरित है। तेजस एलसीए अपने रूपांतरों के साथ, अपनी श्रेणी का सबसे छोटा और हल्का बहु–भूमिका वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है। इस एकल इंजन, कंपाउंड–डेल्टा विंग, टेल लेस विमान को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) और भारतीय नौसेना (आईएन) की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है। तेजस एलसीए कार्यक्रम के तहत 4000 से अधिक परीक्षण उड़ानों को सफलतापूर्वक पूरा करने की अनूठी उपलब्धि हासिल की गई है। इस लोगो में, तेजस एलसीए से प्रेरित तिरंगे की छाप और बीच में अशोक चक्र का अंकन है, जो नए भारत के नए जोश व नए उत्साह का सूचक है। एयरो का अक्षर 'ए' लड़ाकू विमान का प्रतीक है, जो इस बात का द्योतक है कि एयरो इंडिया, एक प्रमुख वैश्विक एयरोस्पेस प्रदर्शनी है।

विमानन क्षेत्र में महिलाओं ने नई मिसालें पेश करते हुए महिलाओं और किशोरियों की भावी पीढ़ियों के लिए सफलता का नया मार्ग प्रशस्त किया है। दो डाक–टिकटों का यह सेट विमानन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही उन साहसी महिलाओं को समर्पित है, जो नभ सुरक्षा प्रदान करने में अनमोल योगदान कर रही हैं।

डाक विभाग, एयरो इंडिया 2019 पर दो स्मारक डाक–टिकटों का सेट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है।

आभारः

पाठ	: प्रस्तावक से प्राप्त सूचना पर आधारित
डाक–टिकट/ प्रथम दिवस आवरण/ विवरणिका/ विरूपण मोहर	: श्री कमलेश्वर सिंह

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

2019
AERO INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 2500 पैसा, 500 पैसा
Denomination	: 2500 p, 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	: 2500 पैसा की 502000 और 500 पैसा की 562000
Stamps Printed	: 502000 of 2500 p and 562000 of 500 p
मुद्रित मिनियेचर शीटें	: 1.51 लाख
Stamps Printed	: 1.51 Lakh
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹5.00